लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1368
दिनांक 14.12.2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

व्यापक हस्तशिल्प कलस्टर विकास योजना

1368. श्री धनुष एम. कुमारः
श्री जी.सेल्वमः
श्री सी.एन. अन्नादुरईः
श्री गजानन कीर्तिकरः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) व्यापक हस्तशिल्प कलस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस) की शुरुआत से अब तक इसके कार्यान्वयन की स्थिति क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु में सीएचसीडीएस के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि और प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए कारीगरों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार तमिलनाडु में और अधिक मेगा क्लस्टर बनाने और क्लस्टर विकास सलाहकार कार्यक्रम के अंतर्गत और अधिक कलस्टरों को शामिल करने के लिए सीएचसीडीएस के कवरेज का विस्तार करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने हस्तशिल्प को बढ़ावा देने हेतु डिजिटल प्रौद्योगिकी को शामिल करने के लिए कोई नीति शुरू की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा देश में कारीगरों के कल्याण और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क): व्यापक हस्तशिल्प कलस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस) की शुरुआत से, इसके तहत:

- 9 मेगा कलस्टर (मुरादाबाद, मिर्ज़ापुर-भदोही, नरसापुर, श्रीनगर, जोधपुर, लखनऊ, कच्छ, बरेली और जम्मू एवं कश्मीर (अन्य शिल्प) पूर्ण किए गए हैं।
- उत्तराखंड, झारखंड, बिहार, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, वाराणसी (फेस 1 एवं 2), हिमाचल प्रदेश राज्यों में 11 सीएचसीडीएस परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूर्ण की गई है।
- गुजरात, ओडिशा, उत्तराखंड और लद्दाख राज्यों के लिए 4 सीएचसीडीएस परियोजनाएं क्रियान्वयन अधीन है।

(ख): व्यापक हस्तशिल्प कलस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस) के तहत, तमिलनाडु में स्वीकृत एक परियोजना को मार्च, 2021 में पूर्ण किया गया जिसमें 10.19 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई और 12,993 लाभार्थी प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए।

(ग): सीएचसीडीएस एक अखिल भारतीय योजना है जिसमें राज्य सरकार और उसकी एजेंसियों से प्रस्ताव प्राप्त होने पर परियोजनाएं स्वीकृत की जाती है। तमिलनाडु राज्य में सीएचसीडीएस की कवरेज का विस्तार सीएचसीडीएस दिशानिर्देशों के अनुसार प्रस्ताव प्रस्तुत करने पर निर्भर करेगा।

(घ): सीएचसीडीएस योजना के अधीन, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) और ई-मार्केटिंग, वेब पोर्टल विकास आदि इंटरवेंशनों के रूप में डिजिटल प्रोद्यौगिकी को शामिल किया गया है।

(ड): सीएचसीडीएस योजना के अलावा, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय कारीगरों के कल्याण और हस्तशिल्पों के संवर्धन के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम योजना भी क्रियान्वित करता है जिसके निम्नलिखित घटक है:

- विपणन सहायता एवं सेवाएँ।
- हस्तशिल्प क्षेत्र में कौशल विकास।
- अंबेडकर हस्तशिल्प विकास योजना।
- कारीगरों को प्रत्यक्ष लाभ।
- इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं प्रोद्यौगिकी सहायता।
- अनुसंधान एवं विकास योजना।

*****